नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com

वेबसाइट : www.hindivishwa.org

'राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका एवं जिम्मेदारी' पर उदबोधन

युवा स्वयं बने अपने रोल मॉडल – संजय माटे

राष्ट्रीय सेवा योजना आयोजित व्यक्तित्व एवं कौशल विकास कार्यशाला

वर्धा, 11 सितंबर : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना आयोजित 'व्यक्तित्व एवं कौशल विकास कार्यशाला' में शनिवार को 'राष्ट्र विकास में युवाओं की

भूमिका और जिम्मेदारियां' विषय पर मार्गदर्शन करते हुए नेहरू युवा केंद्र, भारत सरकार, युवा

एवं खेल मंत्रालय वर्धा, चंद्रपुर एवं भंडारा जिले के समन्वयक संजय माटे ने कहा कि युवा स्वयं

को अपने रोल मॉडल के रूप में विकसित करें। उन्होंने संत गाडगे बाबा, राष्ट्रसंत तुकडोजी

महाराज और जे.सी. कुमारप्पा जैसे विभूतियों के कार्यों का परिचय कराते हुए कहा कि छोटे-

छोटे कामों की शुरूआत कर बड़े परिवर्तन किये जा सकते हैं। स्वच्छता, पर्यावरण, पाणी एवं

बिजली बचत आदि विषयों को लेकर आप राष्ट्र निर्माण में सहयोग और योगदान प्रदान कर सकते हैं। उन्होंने युवा विकास को महात्मा गांधी के विचारों के साथ जोड़कर कहा कि थोपने से समाज सेवा नहीं की जा सकती, वह स्वेच्छा से ही की जा सकती है। सामुदायिक जीवन में स्वावलंबन को अपनाकर विकास के कार्यों में हाथ बटाने का आह्वान भी माटे ने किया।

हबीब तनवीर सभागार में आयोजित कार्यशाला के दुसरे सत्र में रासेयो की कार्यक्रम अधिकारी तथा स्त्री अध्ययन विभाग की प्रभारी डॉ. सुप्रिया पाठक ने विभिन्न गतिविधियां लेकर प्रतिभागियों में व्यक्तित्व निर्माण की क्षमता बढ़ायी जा सकती है इसपर चर्चा की तथा विद्यार्थियों में छूपी प्रतिभाएं निकालने के अनेक उपक्रम संचालित किए।

तीसरे सत्र में प्रदर्शनकारी कला विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. सतीश पावड़े ने कला प्रदर्शन के लिए आवश्यक गुणों की जानकारी देकर प्रतिभागियों से प्रात्याक्षिक करवाएं। चौथे सत्र में प्रतिभागियों में से बने 'वक्ता, विविधा, स्वच्छता, रचनात्मकता और समय इन पांच समूहों को विभिन्न सामाजिक विषयों पर पांच मिनट में नाटक प्रस्तुत करने का मौका दिया गया जिसमें समूहों ने शराब मुक्ति, रक्तदान, एड्स नियंत्रण, स्वच्छता तथा पर्यावरण संरक्षण इन महत्वपूर्ण विषयों पर प्रस्तुतियां दी।

प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए बताया कि इस की कार्यशाला से अनेक प्रकार की प्रतिभाओं को सामने लाने का अवसर मिल रहा है। हम बहुत प्रसन्न महसूस कर रहे हैं। यह कार्यशाला हमें जीवन में आगे बढ़ने, व्यक्तित्व को गढ़ने तथा अपनी नैतिक, सामाजिक तथा सामूहिक जिम्मेदारियों को समझने के लिए कारगर साबित हो रही है। कार्यशाला में विभिन्न गतिविधियों का संचालन रा.से.यो. के संयोजक राजेश लेकपुरे, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुप्रिया पाठक, बी. एस. मिरगे ने किया।